ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:07.06.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2023-06-07 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	08/06/2024	09/06/2024	10/06/2024	11/06/2024	12/06/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	38.0	39.0	40.0
न्यूनतम तापमान(से.)	22.0	22.0	23.0	23.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	65	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	4	3	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	160	140	160
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	0	1	3

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (31 मई से 06 जून) 1.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 38.5 से 43.6oC और 23.4 से 28.7oC के बीच था। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 37-64% और 20-39% के बीच रही, जबकि हवा पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम-दक्षिण, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 5.9-9.5 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह खुशनुमा मौसम के साथ आसमान साफ रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार वर्षा नहीं होगी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.0-40.0oC और 22.0-24.0oC के बीच रहने की उम्मीद है। अगले सप्ताह में वर्षा की कोई संभावना नहीं है तथा क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐपसेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 07.06.2024 से 13.06.2024 के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है। क्षेत्र में शुष्क मौसम का पूर्वानुमान लगाया गया है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए तथा नमी संरक्षण के उपाय अपनाए जाने चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, क्षेत्र में शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए सिंचाई की जानी चाहिए और जहां संभव हो, नमी संरक्षण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	नर्सरी की तैयारी	धान की नर्सरी जून माह में तैयार की जाती है। धान की मध्यम अवधि वाली किस्मों जैसे - नरेन्द्र-359, पंत धान-18, एच.के.आर.-147, पी.आर.-113 आदि की नर्सरी की तैयारी 10 जून तक कर लेनी चाहिए। (2) धान की सीधी बुवाई जून के प्रथम पखवाड़े में की जा सकती है। इसके लिए धान की मध्यम अवधि वाली किस्मों का चयन करें। बीज दर 60-70 किग्रा. प्रति हेक्टेयर रखें तथा बीजों को 18-22 सेमी. की दूरी पर पंक्तियों में बोयें। बुवाई के 2 दिन के अन्दर 1.0 किग्रा. सक्रिय तत्व पेण्डीमेथालिन प्रति हेक्टेयर डालें। इस विधि से 20% पानी तथा रोपाई का खर्च भी बच जाता है तथा फसल 7-10 दिन पहले पक जाती है। नर्सरी को छाया जाल लगाकर सीधी धूप से बचाना चाहिए। गीली विधि में बुवाई 4-5 सेमी. की गहराई पर 20 सेमी. की लाइन से लाइन की दूरी पर करनी चाहिए।
सूरजमुखी	परिपक्वता	परिपक्व सूरजमुखी के सिर को काटा जाना चाहिए और अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए। सुखाने के बाद सूरजमुखी के बीज को डंडे से पीटकर अलग करना चाहिए।
उर्द/मूंग	परिपक्वता/ कटाई	भंडारण से पहले परिपक्व फसल को काटा जाना चाहिए और अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए।
अरहर	बुवाई	अरहर की अगेती किस्मों उपम -120 और पंत अरहर 291 की बुवाई मध्य जून तक कर लेनी चाहिए। अच्छे उत्पादन के लिए राइजोबियम उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	शरदकालीन एवं बसंतकालीन नई गन्ने की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। संस्तुति के अनुसार नाइट्रोजन का प्रयोग करना चाहिए तथा तने के चारों ओर मिट्टी चढ़ाना चाहिए।
वसंत मक्का	परिपक्वता/ कटाई	बिक्री के लिए परिपक्व भुटों की कटाई की जानी चाहिए। पक्षियों को डराने का अभ्यास किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	बुवाई/ रोपाई	गोल बैंगन की बुवाई या रोपाई की जानी चाहिए। रोपाई शाम के समय की जानी चाहिए। पंक्ति से पंक्ति 75 सेमी और पौधे से पौधे 60-75 सेमी की पर्याप्त दूरी बनाए रखी जानी चाहिए।
कद्दू वर्गीय सब्जियों /अन्य	फूल/ फल बनना	यदि कद्दू परिवार की फसल पर धब्बे या कर्लिंग दिखाई दे रहे हैं, तो ऐसे पौधों को नष्ट कर दें और चूसने वाले कीटों से बचाने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करें। फूलों को गिरने से बचाने के लिए मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए।

खीरे के प्रजातियां		
भिंडी	फल बनना	कटाई के चरण में, किसी भी प्रकार के कीटनाशक के प्रयोग से बचना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो किसान नीम के तेल का 3 मिली/लीटर पानी में जैविक प्रयोग कर सकते हैं।
मिर्च	फल बनना	किसानों को तैयार मिर्च की फसल की कटाई पूरी करनी चाहिए, साथ ही संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट करना चाहिए (जब मुरझाएहुए और गड्ढेदार पत्ते दिखाई दें) ताकि वायरल रोगों को नियंत्रित किया जा सके और रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सके।ब्लाइट के प्रकोप को रोकने के लिए मैन्कोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। फूल गिरने से रोकने के लिए फसल में नमी बनाए रखें।
अदरक/ हल्दी	रोपाई	फसलों की रोपाई मानसून के मौसम में की जासकती है और उचित वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	चूंकि मानसून का मौसम आ रहा है, गायें बीमारियों के प्रति संवेदनशील होती हैं, इसलिए समय पर आवश्यक टीकाकरण किया जाना चाहिए।
भैंस	पशुओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता है जिसके लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए: पशुओं को नियमित रूप से नहलाना आवश्यक है। अत्यधिक गर्मी में न रखें। अच्छे वेंटिलेशन के लिए एग्जॉस्ट पंखे लगाए जाने चाहिए। मच्छरों के काटने से बचने के लिए मच्छरदानी उपलब्ध कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	पोषक तत्वों के लिए मिट्टी की जांच करायें और उसके अनुसार मिट्टी को पोषक तत्व दे । 20-25 सेमी तक गहरी जुताई करें तथा खेत को समतल बनाये।